642. जयपुर प्रजामण्डल की स्थापना .... में ....के द्वारा की गई थी-

(a) नयनूराम एवं माणिक्यलाल वर्मा द्वारा 1931 में
(b) जमनालाल बजाज एवं गंगा सिंह द्वारा 1930 में
(c) कपूरचन्द पाटनी एवं महात्मा गाँधी द्वारा 1931 में
(d) जमनालाल बजाज एवं कपूरचन्द पाटनी द्वारा 1931 में

Librarian Exam Date-13.11.2016

Ans. (d) – वर्ष 1931 में कपूरचन्द्र पाटनी ने जयपुर प्रजामण्डल का गठन किया था। यह राजस्थान का प्रथम प्रजामण्डल था। वर्ष 1936 में जमनालाल बजाज ने जयपुर प्रजामण्डल का पुनर्गठन करवाया था। वर्ष 1938 में प्रजामण्डल का पहला अधिवेशन जयपुर में हुआ था। जिसके अध्यक्ष सेठ जमनालाल बजाज थे।

643. विलय-पत्र पर हस्ताक्षर करते समय किसने कहा था कि ''मैं अपने डैथ वारन्ट पर हस्ताक्षर कर रहा हूँ''-

(a) कोटा के महाराव भीमसिंह ने
(b) बाँसवाड़ा के महारावल चन्द्रवीर सिंह ने
(c) अलवर के महाराजा तेजसिंह ने
(d) बून्दी के महाराव बहादुर सिंह ने

Librarian Exam Date-13.11.2016

Ans. (b) – बाँसवाड़ा के महारावल चन्द्रवीर सिंह ने 25 मार्च, 1948 को एकीकरण विलयपत्र पर हस्ताक्षर करते समय कहा था कि ''मैं अपने डैथ वारन्ट पर हस्ताक्षर कर रहा हूँ।''

644. नारायणी देवी वर्मा एवं स्नेहलता वर्मा किस प्रजामंडल से सम्बन्धित रही?

(a) बीकानेर प्रजामंडल (b) सिरोही प्रजामंडल
(c) जयपुर प्रजामंडल (d) मेवाड़ प्रजामंडल

लवण निरीक्षक (उद्योग विभाग) भर्ती परीक्षा 2018

Ans. (d)– मेवाड़ में प्रजामण्डल की स्थापना बिजौलिया आंदोलन के कर्मठ नेता माणिक्यलाल वर्मा द्वारा मार्च 1938 में की गई। माणिक्यलाल वर्मा की पत्नी नारायणी देवी, उनकी पुत्री श्रीमती स्नेह लता वर्मा, श्रीमती भगवती देवी विश्नोई और श्रीमती रमा देवी ओझा आदि महिलाओं का सम्बन्ध मेवाड़ प्रजामंडल से था।

645. मेवाड़ राज्य-प्रजामण्डल की स्थापना कब और किसके द्वारा की गई थी-

(a) 20 अप्रैल, 1938, बलवन्त सिंह मेहता द्वारा
(b) 24 अप्रैल, 1940, माणिक्यलाल वर्मा द्वारा
(c) 24 अप्रैल, 1938, बलवन्त सिंह मेहता द्वारा
(d) 20 अप्रैल, 1938, जमनालाल बजाज द्वारा

Lab Assistant Exam Date- 13.11.2016

Ans. (*) – कांग्रेस के हरिपुरा अधिवेशन में देसी राज्यों के खिलाफ आंदोलन को समर्थन मिलने के पश्चात् 24 अप्रैल, 1938 को माणिक्यलाल वर्मा ने मेवाड़ प्रजामण्डल की स्थापना की। 11 मई 1938 को इसे गैरकानूनी घोषित कर दिया गया। 1941ई. में मेवाड़ प्रजामंडल से पाबंदी हटने के बाद इसका पहला अधिवेशन हुआ जिसकी अध्यक्षता बलवन्त सिंह मेहता ने की। इसमें आचार्य जे.बी. कृपलानी व विजयलक्ष्मी पंडित ने भाग लिया था।

646. नव राजस्थान की राजधानी का मुद्दा हल करने हेतु एक कमेटी का गठन किया गया था जिसके अध्यक्ष थे-

(a) ले. कर्नल टी.सी.पुरी (b) बी.पी. मेनन
(c) बी.आर. पटेल (d) शंकर राव देव

Lab Assistant Exam Date- 13.11.2016

Ans. (c) – 1948–49 ई. में राजस्थान के एकीकरण के दौरान राजधानी संबंधी महत्वपूर्ण मुद्दा उभरा। इसमें चार शहरों की दावेदारी थी-जयपुर, जोधपुर, अजमेर व उदयपुर। केंद्र सरकार के रियासती विभाग ने इसे हल करने के लिए एक समिति का गठन किया जिसके अध्यक्ष बी.आर. पटेल तथा सदस्य कर्नल टी.सी.पुरी व ए.पी. सिन्हा थे। समिति ने प्रशासनिक सुविधा, भवनों की उपलब्धता, जलवायु, पेयजल की सुविधा, बिजली आदि सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए जयपुर को राजधानी घोषित किया।

647. किस रियासत में गोकुल भाई भट्ट ने प्रजामण्डल का आंदोलन का नेतृतव किया?

(a) बीकानेर (b) जोधपुर
(c) अलवर (d) सिरोही

RPSC College Lecturer (Sanskrit Education) 2022

Ans. (d) : गोकुल भाई भट्ट (फरवरी 1898-अक्टूबर 1986) राजस्थान के एक प्रसिद्ध स्वतन्त्रता सेनानी थे। ये सिरोही रियासत से जुड़े हुए थे। इन्होंने 1939 ई. में 'सिरोही प्रजामण्डल' की स्थापना की और यहाँ आन्दोलन को नेतृत्व प्रदान किया। अलवर प्रजामंडल की स्थापना 1938 ई. में पं. हरिनारायण शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। बीकानेर प्रजामण्डल की स्थापना 1936 ई. में मघाराम वैद्य की अध्यक्षता में की गईथी।

648. अजमेर में 'राजस्थान सेवा संघ' की स्थापना की गई थी–

(a) विजयसिंह पथिक (b) अर्जुनलाल सेठी
(c) हरीभाऊ उपाध्याय (d) माणिक्यलाल वर्मा

Pradhyapak School Siksha 2011

Ans. (a) : विजय सिंह पथिक ने अजमेर में 'राजस्थान सेवा संघ' की स्थापना की। अजमेर से ही इन्होंने 'तरुण राजस्थान' व 'नवीन राजस्थान' नामक दो पत्रों का संपादन किया। इनका जन्म 24 मार्च, 1882 में उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में गुढ़ावली ग्राम में गुर्जर परिवार में हुआ था। इनका वास्तविक नाम भूप सिंह था। गाँधी जी द्वारा चलाए गए 'नमक सत्याग्रह' में ये जेल भी गए थे इनका निधन 28 मई, 1954 को हो गया।

649. विजयसिंह पथिक का मूल नाम था-

(a) भूप सिंह (b) कृपाल सिंह
(c) विजय सिंह (d) जमना लाल

Lab Assistant (Home Science)-30.06.2022

Ans. (a) : उपरोक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

650. 1927 में कुंवर मदनसिंह के नेतृत्व में किसानों ने कहाँ आन्दोलन किए हैं?

(a) अलवर (b) भरतपुर
(c) करौली (d) बीकानेर

Pradhyapak School Siksha 2011

Ans. (c) : 1927 में कुंवर मदनसिंह के नेतृत्व में किसानों ने करौली में आंदोलन किया था। दिसम्बर 1923 को राजस्थान समाचार पत्र में मदन सिंह के प्रकाशित लेख 'करौली राज्य में कानून भंग' से उस वक्त आंदोलन को और शक्ति मिली थी।

651. स्वतंत्रता संग्राम के दौरान निम्न में से कौन सी महिला जेल नहीं गई?

(a) अंजना देवी (b) नारायणी देवी
(c) रतना शास्त्री (d) काली बाई

RPSC College Lecturer (Sanskrit Education) 2015